Daily Gospel Reflections in Hindi

06 July 2019

मारकूस 1:40-45

JESUS HEALS THE LEPER

कोढी को स्वास्थ्य लाभ– उस जमाने में यहूदियों के विश्वास के अनुसार कोढ़ ईश्वर की ओर से दी जाने वाली एक सजा है। यहूदी लोग इस बीमारी से न केवल इसलिए डरते थे कि वह एक घिनौनी बीमारी है बल्कि इसलिए भी कि वह ईश्वर द्वारा दी गई एक सजा है। अय्यूब के ग्रंथ से हमें इसका पता चलता है (Job 2:9,4:7) इसलिए यहूदियों का नियम था कि कोढ़ियों को तब तक समाज भ्रष्ट किया जाये, जब तक वे पुरोहित द्वारा उसकी शुद्धीकरण की विधी पूरी करके उसे शुद्ध घोषित न करें। तब तक उन्हें अपने घर से और अपने समाज से बाहर दूसरे ऐसे बीमारों के साथ रहना पड़ता था। हम सब जानते है कि कोढ़ या कुष्टरोग घिनौना जरूर है लेकिन दर्दनाक नहीं है। और न ही वह आसानी से फैलता है। इन सबसे दुःखदाई है, मानसिक पीड़ा। उन्हें अपना घर और समाज छोड़ना पड़ता था। वे किसी को छू नहीं सकते थे, अपनों से तन्हा हो जाते थे, कोई उन्हें मिलने आना तो दूर, उन से भाग जाते थे। ऐसे संदर्भ में प्रभु को उस कोढ़ी से तरस हो आया। ऐसे उसे छुआ, जो दुलार से कम नहीं लगा होगा। प्रभु ने मूसा के नियम को तोड़ते हुए प्रेम के नियम को लागू किया। उस कोढ़ी की खोयी हुई इज्जत वापस मिली। उसे अहसास हुआ कि पुरोहित द्वारा स्वास्थ्य लाभ घोषित किये जाने से कहीं बढ़कर था प्रभु का प्रेम भरा स्पर्श। और वह शुद्ध हो गया।

Rev. Fr. Rojan Chirayath

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019